

**समार्थक वि.** (तत्.) समान अर्थ वाले शब्द, पर्यायवाची शब्द, समानार्थक, एक ही अर्थ वाले।

**समार्थी वि.** (तत्.) 1. बराबरी करने की इच्छा रखने वाला 2. समान अर्थ वाला शब्द, पर्यायवाची शब्द।

**समालंबन पुं.** (तत्.) किसी का आलंबन/आश्रय लेना किसी का सहारा लेना।

**समालंबित वि.** (तत्.) जो किसी के सहारे स्थित हो, अवलंबित, संलग्न।

**समालंबी वि.** (तत्.) दूसरे के सहारे टिकने वाला, परावलंबी, पराश्रयी, दूसरे का आश्रय ग्रहण करने वाला।

**समालंभन पुं.** (तत्.) 1. अंगराग या लेप लगाना 2. वध, हत्या 3. ग्रहण करना 4. गले लगाना, आलिंगन करना।

**समालय पुं.** (तत्.) अच्छी तरह बातचीत करना।

**समालिंगन पुं.** (तत्.) प्रगाढ़ आलिंगन।

**समालोकन पुं.** (तत्.) 1. निरीक्षण करना, परीक्षण करना 2. मनन करना।

**समालोचक पुं.** (तत्.) समीक्षक, समालोचना करने वाला किसी पदार्थ के गुण-दोष आदि का सम्यक् विचार करने वाला किसी रचना, कृति, ग्रंथ आदि के गुण-दोष आदि का विचार करने वाला।

**समालोचन पुं.** (तत्.) किसी व्यक्ति, वस्तु, संस्था, रचना, सिद्धांत, नियम आदि के गुण-दोषों का विवेचन।

**समालोचना स्त्री.** (तत्.) किसी वस्तु, कृति, व्यक्ति, संस्था आदि का निरीक्षण-परीक्षण करना, समीक्षा, आलोचना, वह लेख, जिसमें किसी रचना अथवा रचनाकार के गुण-दोषों के संबंध में किसी ने अपने विचार प्रस्तुत किए हो।

**समालोची पुं.** (तत्.) समालोचक, समीक्षक, विवेचक रचना आदि के गुण-दोष की परीक्षा करने वाला।

**समालोच्य वि.** (तत्.) जो समालोचना के योग्य हो, जिसकी समालोचना संभव हो।

**समावयव वि.** (तत्.) समान अवयव वाला पुं. समान अवयव।

**समावयवता स्त्री.** (तत्.) समान अवयव होना, दो या अधिक रसायनिक यौगिकों, मूलकों या आयनों में समान तत्वों की समान संख्या होने का गुण, जिसके कारण उनके अणुसूत्र एक समान होते हैं परंतु परमाणुओं का संरचनात्मक विन्यास भिन्न-भिन्न होता है और परिणामतः वे एक दूसरे से विभिन्न गुण दिखलाते हैं।

**समावयवी वि.** (तत्.) रसा. समान अवयव वाला पुं. समावयव यौगिक।

**समावरण पुं.** (तत्.) कोई विशेष सूचना या संबद्ध छोटा लेख जो किसी बड़े पत्र के साथ एक ही लिफाफे में रखकर या मुख्य पत्र के साथ संलग्न करके कहीं भेजा जाए।

**समावर्जन पुं.** (तत्.) 1. अपनी ओर झुकाना या मोड़ना 2. आकृष्ट करना 3. अपने वश में करना 4. उपयोग के लिए अपने अधिकार में लेना।

**समावर्जित वि.** (तत्.) 1. झुकाया हुआ या मोड़ा हुआ 2. अपने अधिकार या वश में लाया हुआ।

**समावर्त पुं.** (तत्.) वापस होना, लौटना।

**समावर्तन पुं.** (तत्.) 1. लौटना, वापस आना 2. अध्ययन पूर्ण करने के पश्चात् गुरुकुल से ब्रह्मचारी का अपने घर वापस लौटना 3. विश्वविद्यालयों आदि में होने वाला वह समारोह जिसमें उच्च परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले परीक्षार्थियों को उपाधियाँ, पदक, प्रमाण-पत्र आदि दिए जाते हैं। convocation

**समावर्तनीय वि.** (तत्.) 1. वापस होने के योग्य 2. लौटाने योग्य 3. जो समावर्तन संस्कार के योग्य हो।

**समावर्ती पुं.** (तत्.) अध्ययन पूर्ण करके, समावर्तन संस्कार के बाद गुरुकुल से लौटने वाला ब्रह्मचारी।

**समावास पुं.** (तत्.) 1. निवास स्थान 2. पड़ाव, शिविर।